


इस पर की प्रमाणित करता है कि उपरोक्त सत्यकार और अन्वयता के साथ, जहां सम्पत्ति की प्रमाणित करने वाले अन्य संश्लेषण और अन्वयता का पता नहीं पता है।

निम्न व्यक्ति में तलासी की और प्रमाण-पत्र तैयार किया :

(हस्ताक्षर) - 

(वदनाम) - *class*

तलासी कर सांचापन और प्रमाणपत्र की जोय निम्न व्यक्तियों में की

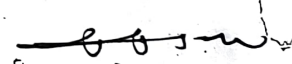
(हस्ताक्षर) - 

(वदनाम) - *class*

प्रशासन *Joint sub. Regulation at
Shenberd*



तारीख *28/8/24*



नियन्त्रण पराधिकारी का हस्ताक्षर

28.8.24

टिप्पणी - इस प्रमाणपत्र में जो संश्लेषण और अन्वयता दिखाये गये हैं वे आदेशक द्वारा गणा प्रस्तुत-संपत्ति विवरण की अनुसूची वाले होते हैं। यदि आदेशक द्वारा दिये गये विवरण से निम्न विवरण देकर किन्हीं इन्हीं सम्पत्तियों की विवरण तलासी में दिखाया गया हो, तो वैसी वस्तुओं को प्रमाणित सत्यकार (ग्रान्तेवधान) इस प्रमाण पत्र में शामिल न किये जायेंगे।

2) निम्नलिखित अधिनियम की धारा 47 के अधीन जो व्यक्ति बहिष्कृत और अनुसूचित (इन्डेक्स्ड) की प्रावधानों के अन्तर्गत आते हैं, जिनका जो उनका प्रतिनिधि लेगा चाहते हो अपना निम्न लिखित संपत्तियों के प्रमाणपत्रों की अन्वयता हो, उन्हें तलासी स्वयं करना होगा। शिक्षा मीस का भुगतान करने पर बहिया और अनुसूचितों उनके मामले पर जायेंगी।

क) किन्तु यदि वर्तमान मामले में आदेशक ने स्वयं तलासी नहीं की है, इसलिए प्रशासन में अपेक्षित तलासी अपने परतपत्र सत्यकारी से की है। फिर भी विभाग प्रमाणपत्र में दिये गये तलासी परिणाम की शिरी भूत के लिए तलासी की तरह जिनोवार नहीं होगा।

ख) और यदि वर्तमान मामले में अपेक्षित तलासी स्वयं की है और यदि तलासी द्वारा दिये गये प्रमाणपत्र और अन्वयता के बाद प्रमाणपत्र में दिया गया है। इसलिए विभाग आदेशक द्वारा न किये गये ऐसे सत्यकारी और अन्वयता की फूट के लिए जिम्मे भी तरह जिनोवार न होगा जिससे उनका सत्यकार पर प्रमाण पत्र न हो।

*Search made by me
By Anand K. M.*